बिहार विधान-सभा वादवृत

बुधवार, तिथि, १७ जून, १९७०

भारत के संविधान के उपबन्ध के अनुसार एकत्र विधान-सभा का कार्य-विवरण।

सभा का अधिवेशन पटना के सभा-सदन में बुधवार, तिथि १७ जून, १९७० को पूर्वाह्न ११ बजे अध्यक्ष श्री रामनारायण मंडल के सभापतित्व में प्रारम्भ हुआ।

अल्प-सूचित प्रश्नोत्तर :

अल्पसूचित प्रश्न सं० १५७ के सम्बन्ध में चर्चा

श्री बालेश्वर राम—यह हेल्थ डेपार्टमेंट में ट्रांसफर हो गया है, अध्यक्ष महोदय।

श्री कमलदेव नारायण सिंह—अध्यक्ष महोदय, अल्प-सूचित प्रश्न सं० १५७ और १५८ के बारे में जवाब नहीं मिला था और कहा गया था कि स्थगित कर दिया जाय और आज माननीय मन्त्री कह रहे हैं कि ट्रान्सफर हो गया है।

श्री बालेश्वर राम—अध्यक्ष महोदय, प्रोसिडिंग मंगाकर देखा जा सकता है, उसी दिन कह दिया गया था कि यह ट्रांसफर हो गया है। यह विधान-सभा सचिवालय में छपा नहीं तो मैं क्या करूँ ?

श्री कमलदेव नारायण सिंह—दोनों क्वेश्चेन पर आज कहना है कि स्थानांतरित हो गया है ? बात समझ में नहीं आती है।

श्री चन्द्रशेखर सिंह—माननीय मन्त्री ने उसी दिन कहा था कि इसका स्थानांतरण हो गया है, लेकिन फिर छपकर चला आया है।

(३) क्या यह बात सही है कि उपर्युक्त दृष्टिकोण से दरभंगा जिला विकास समिति ने प्रथम पंचवर्षीय योजना काल में उक्त फुलपरास भुतहा सड़क को पक्की करने का प्रस्ताव पारित किया था;

(४) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो उक्त सड़क को पक्का करने की दिशा में क्या प्रगति हुई है ?

मन्त्री, लोक-निर्माण विभाग—(१) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(२) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(३) ऐसा हो सकता है।

(४) अर्थाभाव के कारण इसके पक्कीकरण का प्रस्ताव अभी नहीं है।

दरियापुर-कोटवा सड़क।

११३५। राम सेवक प्रसाद जायसवाल—क्या मन्त्री, लोक-निर्माण विभाग यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(१) क्या यह बात सही है कि मोतिहारी चीनी मील के क्षेत्र में केन सेस के रुपये में बरियारपुर से कोटवा तक पक्की सड़क बनाने की योजना है;

(२) क्या यह बात सही है कि उपर्युक्त सड़कसे निर्माण-कार्य में मिट्टी भरने का काम समाप्त हो चुका है;

(३) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो सरकार उसे शीघ्र पक्कीकरण कराने जा रही है; यदि 'हां' तो कब तक ?

मन्त्री, लोक-निर्माण विभाग—(१) उत्तर स्वीकारात्मक है। चांदटोला-बरियारपुर कोटवा सड़क के निर्माण की योजना है।

(२) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(३) यदि वांछित राशि मिलती रही तो ७२ तक इसे पूरा करने की योजना है।

पसपुरा से लखमिनिया सड़क।

११३७। श्री सरयू प्रसाद सिंह—क्या मंत्री, लोक-निर्माण विभाग यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(१) क्या यह बात सही है कि मुंगेर जिलान्तर्गत बेगुसराय शहर से केवल दो (२) मील लम्बी एक सड़क दक्षिण की ओर पसपुरा बस्ती होते हुए गुप्ता लखमिनी बांध तक गई है ;

(२) क्या यह बात सही है कि सारे सबडिविजन के अधिकतर जनता उस रोड को मुर्दा जलाने, गंगा स्नान करने, यातायात के लिए काम में लाते हैं ;

(३) क्या यह बात सही है कि डिस्ट्रीक्ट बोर्ड यदा-कदा पैसे खर्च कर इसे मरम्मत करता है किन्तु यातायात की अधिकता के कारण जल्द खराब हो जाती है ;

(४) क्या यह बात सही है कि इस सड़क की मरम्मत शहर में होती है तथा शहर से उत्तर राष्ट्रीय पथ तक इसे पक्की तथा पिच करने की योजना है ;

(५) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो क्या सरकार राष्ट्रीय पथ से लेकर पसपुरा गुप्ता लखिमिनिया बांध तक इसे पक्का तथा पीच कराकर अभाव की पूर्ति करेगी ?

मंत्री, लोक-निर्माण विभाग—(१) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(२) ऐसा हो सकता है।

(३) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(४) अभी इस सड़क को पक्की करण करने की योजना नहीं है।

(५) अर्थाभाव के कारण अभी ऐसी स्कीम नहीं है।

सड़क का पक्कीकरण

११४०। श्री निरंजन प्रसाद सिंह —क्या मंत्री, लोक-निर्माण विभाग यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(१) इटखोरी जुड़ी रोड जिला परिषद हजारीबाग से लोक-निर्माण विभाग में कब लिया गया ;

(२) उक्त पथ जब से लोक-निर्माण विभाग में लिया गया है उस समय से आज तक उस सड़क को किस माईल पोस्ट में किस साल में कौन सा काम हुआ है, यदि 'नहीं' तो क्यों ?

(३) सरकार उस पथ को कब तक बरसात के मौसम में गाड़ी चलने लायक बनाने का विचार करती है ?